माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2019

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
भूगोल	1 2 0	हिन्दी

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.भोपाल BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

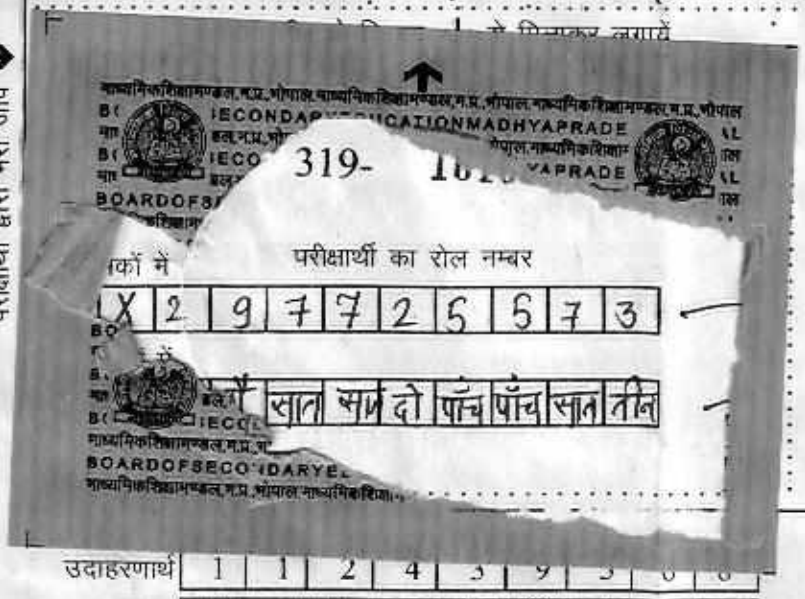

319- 1…

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में	X 2	9	7	7	2	5	5	7	3
शब्दों में			सात	सात	दो	पाँच	पाँच	सात	तीन

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 14

ग :- परीक्षा का दिनांक 28 03 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी सर्टि. परीक्षा

केन्द्र क्र. 771002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
B. K. Bethu	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	No Change

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 2 के अंक	कुल अंक

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

प्र०1 → उत्तर

अ) ii) अमेरिका

ब) iii) चीन

स) iv) असम

द) i) 1975

इ) ii) अहमदाबाद

प्र०2 → उत्तर

i) हुगली (कोलकाता) औद्योगिक क्षेत्र

ii) एकता

iii) ट्रांस साइबेरियन

iv) मैंगनीज

v) वायु परिवहन

3 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 3 के अंक   कु...

मध्यप्रदेश

क्र.

प्र॰3 → उत्तर

i) तमिलनाडु गाँधी फार्म (गाँधीवादी विचारधारा पर आधारित)

ii) अरुणाचल प्रदेश

iii) हजीरा - विजयपुर - जगदीशपुर पाइपलाइन

iv) मलीन बस्ती ~~अब~~ शहरो में बसी गन्दी बस्तियाँ होती हैं जो रहने के लायक नहीं होती, सुविधाओ का अभाव होता हैं।

v) प्रविकीर्ण (एकाकी अधिवास) जो ग्रामीण क्षेत्रो (ग्रामीण अधिवासो) में पायी जाती हैं।

प्र॰4 → उत्तर

A (Que)	B उत्तर
अ) पर्यटन नगर	iv) नैनीताल
ब) काली मिट्टी	v) कपास
स) कृषि गट्ठ	i) संयुक्त राज्य अमेरीका
द) ज्वारीय बंदरगाह	ii) कांडला
इ) बहरापन	iii) ध्वनि प्रदूषण

4

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 4 क अंक	=	कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्र० 5 → उत्तर (अथवा)

मानव भूगोल के चार भूगोलवेत्ताओ के नाम निम्न लिखित है :-

i) रेटजेल → जर्मन भूगोलवेत्ता
ii) ई० सी० सेम्पुल → अमेरिकी भूगोलवेत्ता
iii) विडाल - डी - ब्लास → फ्रांसीसी भूगोलवेत्ता
iv) जीन ब्रुश → फ्रांसीसी भूगोलवेत्ता
v) हंटिंगटन → अमेरीकी

प्र० 6 → उत्तर

नगरीय अधिवासो की दो विशेषताएं निम्नलिखित है :-

i) नगरीय अधिवासो का निर्माण योजनागत रूप से होता है।

ii) नगरीय अधिवासो की 75% जनसंख्या गैर-कृषिगत कार्य मे संलग्न होती है।

iii) नगरीय अधिवासो मे आवश्यक सुविधाएं जैसे - रक्षा, कचहरी, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि उपलब्ध होते है।

iv) इन अधिवासो की मुख्य समस्या प्रदूषण, आवास की होती है।

B
S
E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्र० 7 → उत्तर

जल में ऐसे तत्वो का मिलना जो जल को खराब करते है व मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है, इस दशा को जल प्रदूषण कहते है।

जल प्रदूषण के दो कारण निम्न लिखित है :-

i) औद्योगिक कारक → बड़े-बड़े औद्योगिक इकाइयाँ अपने अपशिष्ट पदार्थों को जल में बहा देती है, जिससे उसमे हानिकारक तत्व प्रवेश कर जाते है।

ii) नगरीय कारक → नगरो के मल-मूत्र को नदियों / नालो में बहाने से जल प्रदूषित होता है।

iii) ग्रामीण क्षेत्र → पशुओ को नहलाने, बर्तन धोने, नहाने से जल प्रदूषित होता है।

प्र० 8 → उत्तर

जल एक अमूल्य संसाधन है। बिना जल के मानव जीवन सम्भव नहीं है।

"जल ही जीवन है।" यह मात्र कहावत नहीं है बल्कि यह सत्य है। जल के बिना न तो वनस्पति पनप सकती है और न मानव अपने घरेलू, कृषि कार्य आदि कर सकता है।

परन्तु आज मानव अपने स्वार्थ के लिए जल का अपव्यय कर रहा है। यह कहा जाता है कि वो दिन दूर नहीं जब पूरा विश्व जल के लिए लड़ेगा।

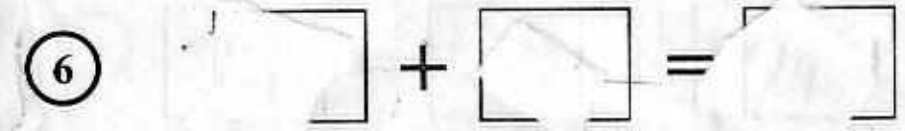

6 [ ] + [ ] = [ ]

योग 2 पृष्ठ पृष्ठ 6 के अंक 3 अंक

प्रश्न क्र.

जल संसाधन की समस्याएँ

→ 1. जल प्रदूषण

→ 2. जल को व्यर्थ करना

→ 3. जल का घटता स्तर

→ 4. क्षारीय जल

(1) जल प्रदूषण → जल प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। औद्योगीकरण, नगरीयकरण के कारण लगातार जल प्रदूषित हो रहा है। मानव अपशिष्ट पदार्थ जैसे- मल, मूत्र, रासायनिक तत्वों, घरेलू वस्तुओं आदि को जल में बहा देता है जिससे जल पीने योग्य नहीं बचता है। इस समस्या का जल्द-से जल्द समाधान करना आवश्यक है।

(2) जल को व्यर्थ करना → मानव जल का सावधानीपूर्वक प्रयोग नहीं करता है। इस कारण अधिकांश जल व्यर्थ हो जाता है। अतः यह आवश्यक है कि हम जल का सावधानीपूर्वक प्रयोग करें।

(3) जल का घटता स्तर → जल को व्यर्थ करना, वर्षा जल का उपयोग न करना, जनसंख्या वृद्धि, कम वर्षा आदि के कारण भू-जल का स्तर दिनो दिन गिरता जा रहा है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

क्षारीय जल - कृषि में रासायनिक तत्वो का प्रयोग, कीटनाशको आदि के छिड़काव के कारण जल क्षारीय हो जाता है।

अतः हमे जल का सावधानीपूर्वक प्रयोग करना चाहिए "जल है तो कल है"।

प्र० 9 - उत्तर (अथवा)

भारत एक विकासशील देश है। भारत का एक खुला अर्थव्यवस्था वाला देश है जिसका सम्बन्ध विश्व के अधिकांश देशो से है। भारत अपने देश के उत्पादन को निर्यात करता है व जरूरत की वस्तुओ का आयात करता है।

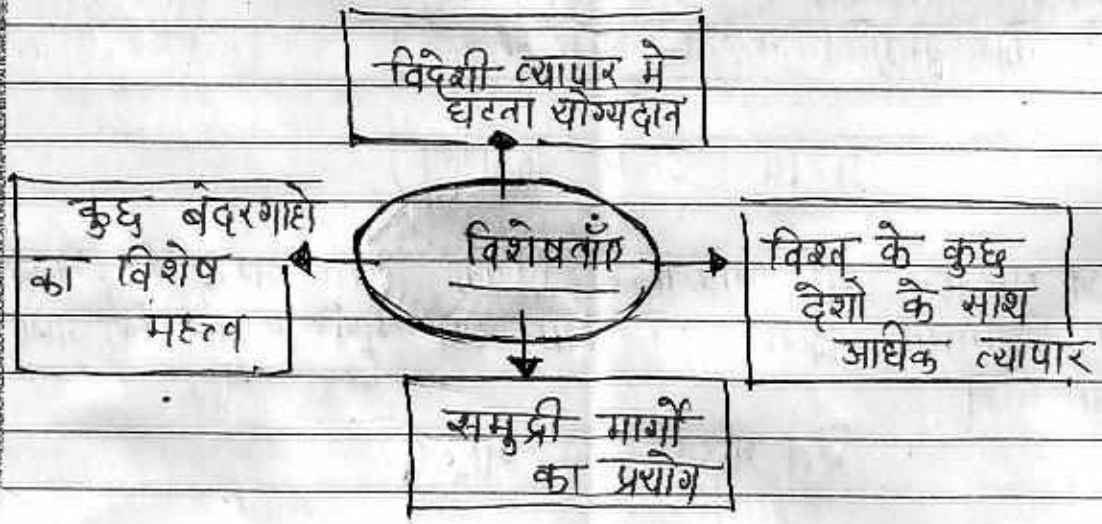

1. विदेशी व्यापार में घटता योग्यदान → स्वतंत्रता के पूर्व भारत से अधिकांश मात्रा मे कच्चे माल का निर्यात होता था परन्तु अब स्थिति बदल गयी है, अब हमारा आयात, निर्यात से अधिक है, इस कारण विदेशी व्यापार में भारत का 0.6% ही योग्यदान है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

२. कुछ देशो का विशेष महत्व → भारत का अधिकांश व्यापार संयुक्त राज्य अमेरीका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, रुस, हालैण्ड, कनाडा आदि देशो के साथ होता है। कुल व्यापार का 50% इन्ही देशो के साथ होता है।

३. समुद्री मार्गो का प्रयोग → विदेशी व्यापार के लिए भारत सबसे अधिक समुद्री मार्गो का प्रयोग करता है जैसे - उत्तरी आशा अन्तरीप, हिन्द महासागरीय जलमार्ग आदि। भारत का 90% व्यापार समुद्री मार्गो के द्वारा सम्पन्न होता है।

उपर्युक्त भारत के विदेशी व्यापार की विशेषताऐं है। भारत का व्यापार प्रतिकूल है, अतः हमे आर्थिक विकास के लिए व्यापार को संतुलित करना आवश्यक है।

प्र०10 उत्तर (अथवा)

रेल परिवहन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा वस्तु एवं मानव को रेलमार्गों द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाया जाता है।

रेल परिवहन के महत्व

1. ढुलाई की अधिक क्षमता
२. मॉंग पूर्ति में संतुलन बनाये रखना
३. अकाल नियंत्रण मे सहायक
५. पर्यटन प्रोत्साहन व संदेशवाहक

B
S
E

क्र.

1. ढुलाई क्षमता अधिक → रेल परिवहन, वायु परिवहन व सड़क परिवहन की तुलना में अधिक व्यक्ति और माल को ढोने की क्षमता रखते हैं। रेल परिवहनों का अन्तर्राष्ट्रीय व आन्तरिक व्यापार में महत्त्वपूर्ण योगदान है।

2. माँग एवं पूर्ति में संतुलन स्थापित करना → रेल परिवहन द्वारा उन बाजारों में वस्तुओं की पूर्ति तीव्रता से कर दी जाती है जहाँ किसी वस्तु की मात्रा कम हो जाती है और माँग बढ़ जाती है। इससे मूल्य वृद्धि नहीं होती और उपभोक्ताओं को लाभ होता है।

3. अकाल नियंत्रण में सहायक → कभी-कभी देश में प्राकृतिक आपदाएँ जैसे सूखा, बाढ़, आदि पड़ जाता है उस समय रेल एक महत्त्वपूर्ण परिवहन की भूमिका निभाते हैं। इनके द्वारा पीड़ित क्षेत्रों में खाद्यान्नों की पूर्ति करने में मदद मिलती है।

उपर्युक्त महत्त्व के कारण रेल परिवहन एक देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रश्न क्र.

प्र॰ 11 उत्तर

दक्षिण-पूर्वी एशिया के अधिकांश देशो में सघन जनसंख्या पायी जाती है। चीन विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है जिसका जन घनत्व 146 व्यक्ति है, बांग्लादेश (1146), भारत (343), जापान की राजधानी टोकियो विश्व का सबसे अधिक जनघनत्व वाला देश है। भारत विश्व की जनसंख्या 131 करोड़ है। दक्षिण-पूर्वी एशिया में अनेक देशो की जनसंख्या व जनघनत्व विश्व के अन्य महाद्वीप की तुलना में अधिक है।

द॰ पूर्वी एशिया मे सघन जनसंख्या होने के निम्न लिखित कारक है :-

- → 1. स्वास्थ्यवर्धक जलवायु
- → 2. कृषि प्रधान देश
- → 3. उपजाऊ भूमि
- → 4. खनिज पदार्थों का विपुल भण्डार
- → 5. औद्योगीकरण (जापान के संदर्भ में)

(1) स्वास्थ्यवर्धक जलवायु ⇒ मानव उसी जलवायु मे रहना पसंद करता है जहाँ की जलवायु उसके स्वास्थ्य व उद्देश्य के अनुकूल हो। द॰ पूर्वी एशिया में कुछ देशो मे अर्द्ध-उपोष्ण जलवायु व कुछ मे सम शीतोष्ण जलवायु पायी जाती है, जो मानव बसाव के अनुकूल है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

न क्र.

२. कृषि प्रधान देश → चीन, बांग्लादेश व, भारत आदि दक्षिण पूर्वी देश कृषि प्रधान हैं। यहां कृषि करने के लिए उपयुक्त जलवायु है। कृषि के व्यवसाय मे भरण -पोषण की क्षमता अधिक होती है अन्य व्यवसायो की तुलना मे अतः इन स्थानो मे अधिकांश जनसंख्या पायी जाती है।

३. उपजाऊ भूमि → दक्षिणी-पूर्वी देशो मे समतल भूमि की अधिकता, उपजाऊ मृदा, डेल्टाई क्षेत्र आदि है। इस कारण यहाँ की जनसंख्या कृषि कार्य करती है। मृदा मे नमी ग्रहण की अधिक क्षमता होती है। चावल इस क्षेत्र की प्रधान उपज है।

४. खनिज पदार्थों का विपुल भंडार → इन क्षेत्रो में खनिज पदार्थों का विपुल भंडार है। चीन मंचूरिया क्षेत्र, भारत का छोटा नागपुर का पठार लौह खनिज से भरपूर है, कोयला, अभ्रक आदि खनिज भी इन क्षेत्रो में पाये जाते हैं। इस कारण इन क्षेत्रो में अधिकांश जनसंख्या रहती है।

५. औद्योगीकरण → जापान एक उद्योग प्रधान देश है। जापान में कुशल श्रमिको, प्रौद्योगिकी विकास, सरकारी संरक्षण आदि के कारण औद्योगिक इकाइयों का विस्तार हुआ है। टोकियो विश्व का सबसे सघन नगर है।

उपर्युक्त कारको के कारण दक्षिणी-पूर्वी एशिया में सघन जनसंख्या पायी जाती है।

(12) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 12 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र. 12

प्र०12 → उत्तर - (अथवा)

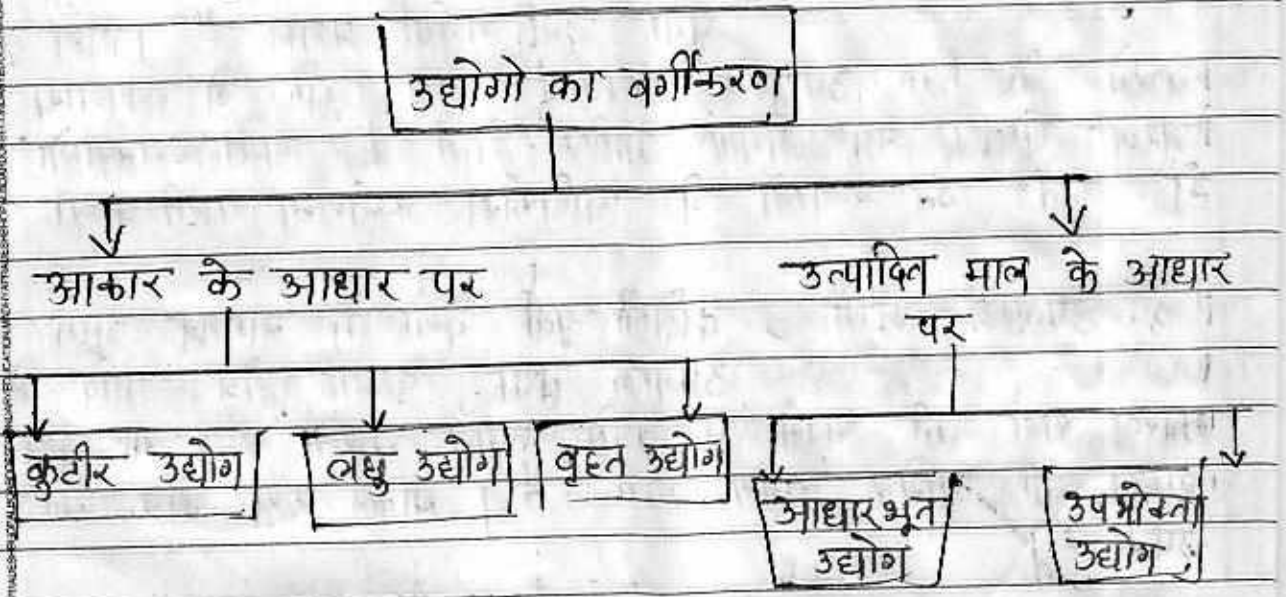

B
S
E

कुटीर उद्योग	वृहत उद्योग
1. कुटीर उद्योग बहुत छोटे पैमाने के उद्योग-धन्धे होते हैं। इन्हे ग्रामीण उद्योग भी कहते हैं।	वृहत उद्योग बडे पैमाने के उद्योग-धन्धे होते हैं।
2. कुटीर उद्योग में कच्चा माल स्थानीय प्राप्त हो जाता है।	वृहत उद्योग में कच्चा माल दूर स्थानो या आयात करना पड़ता है।
3. कुटीर उद्योग मे पूँजी व यातायात पर व्यय नहीं करना पड़ता है।	वृहत उद्योग में अधिक पूँजी व अधिक यातायात व्यय करना पड़ता है।
4. निर्मित माल स्थानीय बजार मे बेचा जाता है।	निर्मित माल दूर बाजारो मे या निर्यात किया जाता है।

प्रश्न क्र.

5. कुटीर उद्योग में मशीनो का प्रयोग नहीं होता	इन उद्योगो में स्वचालित बड़ी मशीनो का प्रयोग होता है।
6. वस्तु की गुणवत्ता में ध्यान नहीं दिया जाता है।	वस्तु की गुणवत्ता में ध्यान दिया जाता है।
7. व्यक्तिगत कला को निखारने में सहायक	व्यक्तिगत कला को निखारने के अवसर नहीं मिलते हैं।
8. मछली पकड़ने का जाल, चीनी मिट्टी के बर्तन आदि।	लोहा - इस्पात उद्योग, चीनी उद्योग आदि।

उपर्युक्त कारको के आधार पर कुटीर उद्योग व यंत्रीकृत वृहत उद्योगो में अंतर किया जा सकता है।

प्र० 13 → उत्तर (अथवा)

13 जल परिवहन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा माल व व्यक्तियों को जहाजो में जल मार्गों द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाया जाता है।

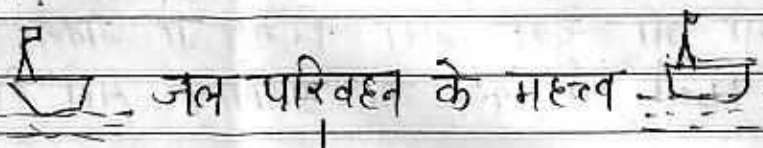

जल परिवहन के महत्व

1. माल ढोने की अधिक क्षमता
2. विदेशी व्यापार में सहायक
3. स्वतंत्र अस्तित्व
4. सबसे सस्ता साधन

SECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESHBHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

1. माल ढोने की अधिक क्षमता → जल परिवहनों में बड़े बड़े जहाजों द्वारा किया जाता है। इस कारण रेल परिवहन व वायुपरिवहन की तुलना मे इसमे अधिक माल ढ (लगभग 16 गुना अधिक) ढोने की क्षमता होती है।

2. सस्ता साधन → जल परिवहन, परिवहन के अन्य साधनों की तुलना मे सबसे सस्ता है, क्योंकि यह प्राकृतिक होते हैं। इन्हे बनाने की आवश्यकता नहीं होती हैं और न ही देखरेख की आवश्यकता होती है। इस कारण ये सबसे सस्ते साधन हैं।

B S E

3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मे सहायक - आज विश्व की हर अर्थव्यवस्था खुली है अतः वस्तुओ का आयात - निर्यात किया जाता है। ~~अधिकांश~~ विश्व के लगभग सभी देशो का 90% व्यापार समुद्र मार्गों द्वारा ही होता है।

4. स्वतंत्र अस्तित्व → जल परिवहनो का स्वतंत्र अस्तित्व होता है। जल मार्गों का प्रयोग किसी भी देश द्वारा किया जा सकता है। ~~इनके~~ इन मार्गों मे किसी भी देश का आधिपत्य नहीं होता है।

5. अन्य महत्त्व → जल परिवहन औद्योगीकरण, व्यापार, कृषि के विकास, देशो के बीच अच्छे सम्बन्ध स्थापित करने में भी सहायक होते हैं।

प्रश्न क्र.

प्र०।५ - उत्तर

भारत एक विकासशील देश है। भारत में जनसंख्या वृद्धि की दर बहुत अधिक है। भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है जबकि भारत क्षेत्रफल के अनुसार 7 वाँ बड़ा देश है।

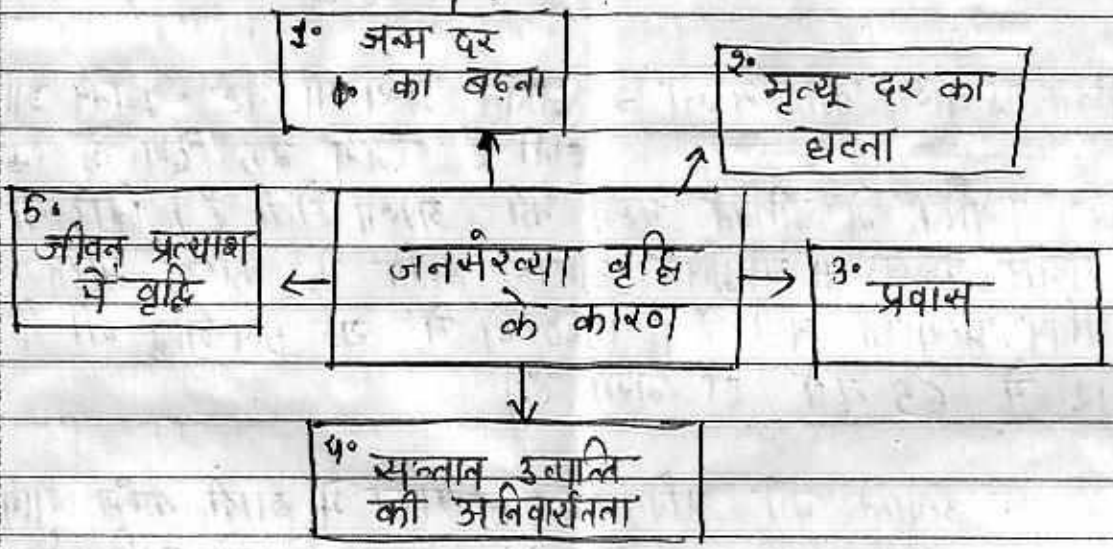

B
S
E

1. जन्म दर में वृद्धि → किसी देश में एक वर्ष की समय अवधि के दौरान जन्म लेने प्रति हजार जनसंख्या में जन्म लेने वाले शिशुओ की संख्या जन्म दर कहलाती है। भारत में 1950-51 मे जन्मदर 41 थी जो 2011 में 21.5 हो गयी है।

2. मृत्यू दर का घटना → किसी देश में एक वर्ष की समय अवधि के दौरान प्रति हजार जनसंख्या में मरने वालो की संख्या मृत्यू दर कहलाती है। चिकित्सा व्यवस्था में सुधार, अकालो की कमी आदि कारको के कारण भारत में मृत्यू दर घटते जा रही हैं।

प्रश्न क्र.

3. प्रवास → एक स्थान से दूसरे स्थान जाकर बसने की क्रिया को प्रवास कहते है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रो के लोग अच्छे जीवन की कामना व रोज़गार की तलाश मे शहरो मे आकर बस जाते है व वहां की जनसंख्या मे वृद्धि कर देते है। भारत के मे दूसरे देशो के लोग आकर बसते है जिसमे जनसंख्या में वृद्धि होती है।

4. जीवन प्रत्याशा का बढ़ना → जीवन प्रत्याशा वह न्यूनतम आयु होती है जिस तक देश के एक समान नागरिक के जीवित रहने की आशा होती है। चिकित्सा मे सुधार, ~~अच्छ~~ या संतुलित आहार आदि के कारण भारत मे जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। 1960-61 मे यह 54 आयु थी जो 2011-12 में 65 वर्ष हो गयी है।

5. सन्तान उत्पत्ति की अनिवार्यता - भारत में शादी करना सामाजिक दृष्टि से अनिवार्य है व सन्तान की उत्पत्ति करना भी। इस कारण भारत की जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

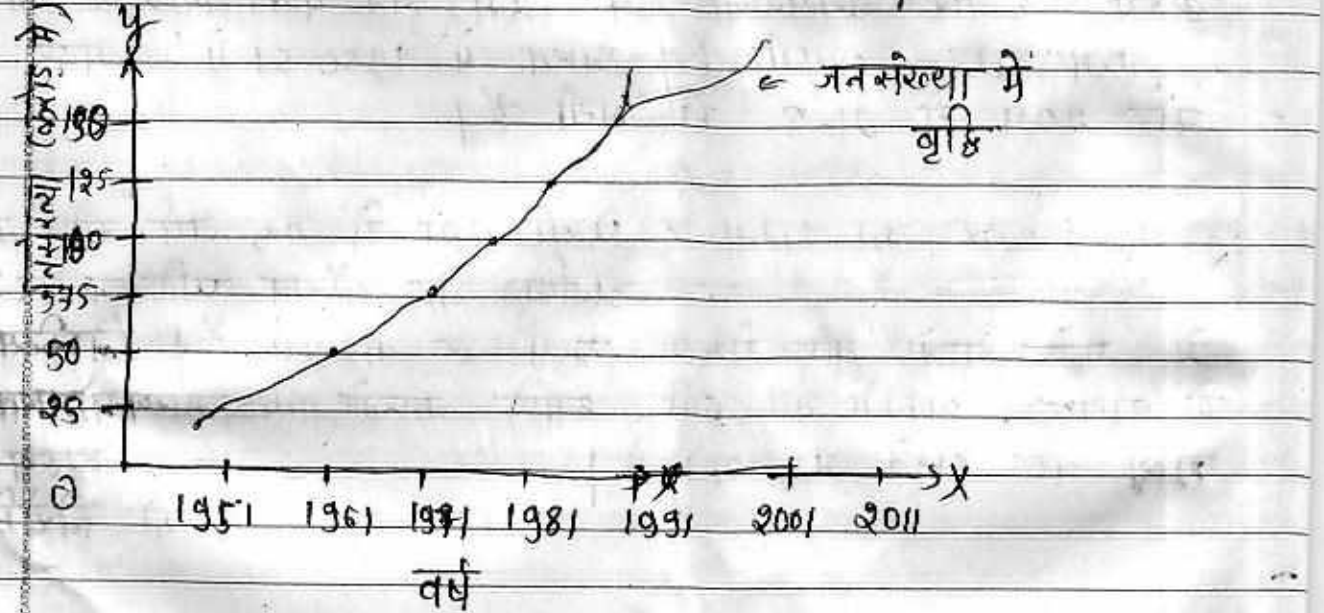

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

क्र.

अतः वर्तमान मे भारत की जनसंख्या 121 करोड़ है। अतः देश के आर्थिक विकास के लिए जनसंख्या को कम करना आवश्यक है।

प्र०15 ⇒ उत्तर

"जगता हुआ वृक्ष समृद्धिशील देश का प्रतीक है।"

पं नेहरू

वनों मानव व प्रकृति के लिए अमूल्य सम्पदा है। वनो से हमे कई प्रकार के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होते हैं।

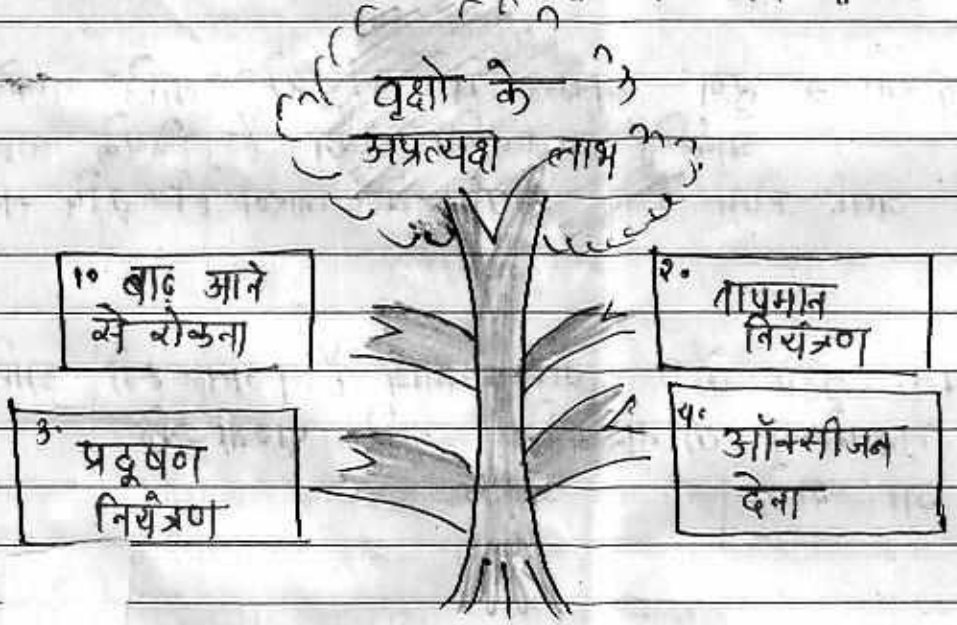

बाढ़ आने से रोकना - वृक्ष एक प्राकृतिक छलनी का कार्य करते हैं। वृक्ष बाढ़ की ~~स्था~~ आने से रोकने मे मदद करते हैं।

2. प्रदूषण नियंत्रण → वृक्ष कार्बनडाइआक्साइड गैस जो पर्यावरण को प्रदूषित करती है उसको ग्रहण कर संरक्षक के रूप मे कार्य करता है। यह प्रदूषण को नियंत्रित करता है।

प्रश्न क्र.

3. तापमान नियंत्रण ⇒ वृक्ष पृथ्वी को गर्म होने नहीं देते व तापमान को नियंत्रण करते हैं। जिन स्थानो मे वन नहीं होते वहाँ का तापमान ऊँचा होता है और जहाँ वृक्ष व वन होते हैं वहा का तापमान सामान्य रहता है।

4. ऑक्सीजन गैस देना ⇒ वृक्ष ~~का~~ मानव द्वारा छोड़ी गयी कार्बनडाईआक्साइड ग्रहण करते है है व आक्सीजन छोड़ते हैं जो मानव जीवन के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण कारक है।

5. वर्षा करना ⇒ वृक्ष आकाश मे उड़ रहे काले बादलो को ~~आर्कषित~~ आकर्षित करते है जिसके कारण पृथ्वी मे वर्षा होती हैं। वर्षा के कारण ही कृषि सम्भव होती है।

उपर्युक्त वृक्षो के अप्रत्यक्ष लाभ है। अतः हमे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। ताकि पृथ्वी को बचाया जा सके।

प्र० 16 अथवा

जापान दक्षिण-पूर्वी एशिया का एक छोटा सा देश है जो हर पाँचवे साल में तबाह हो जाता है फिर भी एक विकसित देश बन जाता है।

जापान में कई उद्योग है परन्तु सूती वस्त्र उद्योग जापान का सबसे महत्वपूर्ण उद्योग है।

ओसाका को जापान का मानचेस्टर कहा जाता है।

जापान में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के निम्नलिखित कारण है :-

→ 1. जलवायु
→ 2. कुशल श्रमिक
→ 3. विकसित प्रौद्योगिकी
→ 4. स्वच्छ जल की पूर्ति
→ 5. शक्ति के साधन
→ 6. अन्य कारण

1. जलवायु ⇒ जापान ~~एक शीतोष्ण~~ शीतोष्ण कटिबन्धीय देश है। अतः जापान में सम शीतोष्ण सम जलवायु पायी जाती है जो इस उद्योग के लिए उपयुक्त है।

(20) [ ] + [ ] = [ ]

पिछले पृष्ठ — पृष्ठ 20 के अंक — कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

२. कुशल श्रमिक - जापान के श्रमिक शिक्षित है। उनमें कपड़े बुनने की निपुण कला है। अतः ज्ञानी व कुशल श्रमिको के कारण इस उद्योग का विकास सम्भव हो पाया है। श्रमिको की उत्पादकता अन्य देशो की तुलना में सबसे ज्यादा है।

३. विकसित प्रौद्योगिकी - जापान तकनीकी दृष्टि से भी बहुत विकसित है अतः जापान के सूती वस्त्र उद्योगो में विकसित प्रौद्योगिकी व उच्च तकनीको का प्रयोग किया जाता है।

५. शक्ति के साधन - मशीनो को चलाने की लिए ऊर्जा की आवश्यकता पड़ती है। अतः याकोहामा क नदियो से जल विद्युत प्राप्त हो जाता है व मंचूरिया से कोयला का आयात किया जाता है।

BSE

९. विस्तृत बाजार - परिवहन के विकसित साधनो से चीन, भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन, जर्मनी आदि देशो के बाजार होने के कारण जापान निर्यात द्वारा बहुत आय अर्जित करता है। इस कारण वहाँ सूती उद्योग का बहुत अधिक विकास हुआ है।

6. अन्य कारक - सरकार का सहयोग, स्वच्छ जल की पूर्ति, परिवहन के विकसित साधनो के कारण जापान का सूती वस्त्र उद्योग बहुत अधिक विकसित हुआ है।

उपर्युक्त कारणो के कारण जापान का सूती वस्त्र उद्योग विकसित है।

World Map

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

[ ] + [ ] = [ ]

याग पूर्व पृ० | पृ० 21 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र०18→ उत्तर

चाय एक पेय पदार्थ है जिसे बागानो मे लगाया जाता है। भारत विश्व मे चाय का सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत से चाय अनेक देशो को निर्यात की जाती है।

चाय के उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ

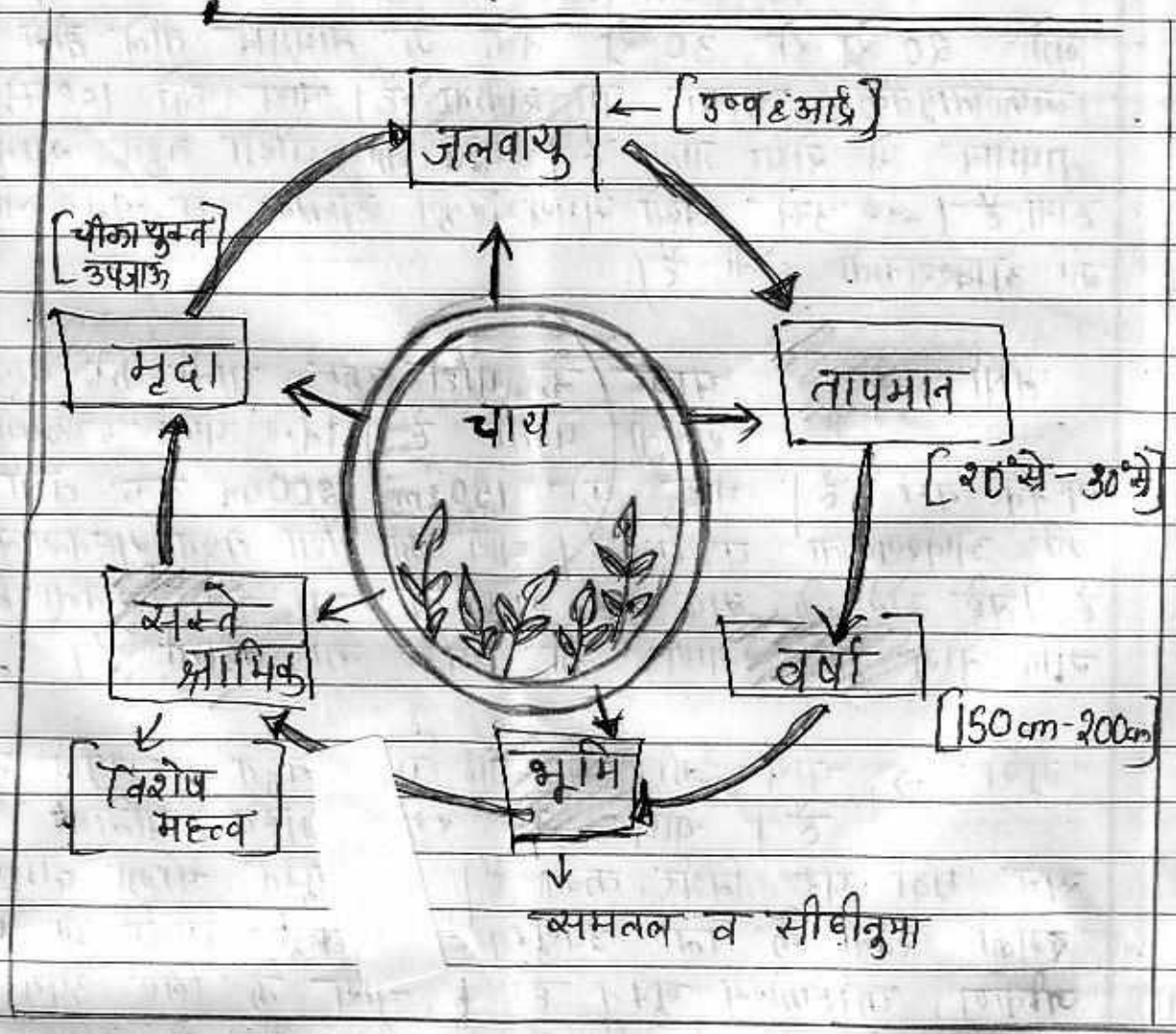

22 [ ] + [ ] = [ ]
पृ० 22 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

जलवायु → चाय एक उष्ण कटिबन्धीय पौधा है। चाय की उपज में जलवायु का बहुत महत्त्व है। चाय अधिकांशतः उष्ण एवं आर्द्र जलवायु की उपज है। इसे शीतोष्ण कटिबन्ध में भी उगाया जा सकता है।

तापमान → चाय एक उष्ण कटिबन्धीय पौधा है। अतः इसे उच्चे तापमान की आवश्यकता होती है। चाय को 20°से से 30°से तक के तापमान वाले क्षेत्रों मे सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। चाय को 16° से के तापमान में रोपा जाता है। चाय का पौधा बहुत सहनशील होता है। ~~इस~~ उसे बढ़ते समय खुल आकाश व चमकीली धूप की आवश्यकता होती है।

B
S
E

वर्षा → चाय के पौधे को पानी की बहुत आवश्यकता पड़ती है। बिना पानी के इसकी खेती सम्भव नही है। चाय को 150 cm · 200 cm तक वर्षा जल की आवश्यकता पड़ती है। चाय का पौधा बहुत सहनशील होता है। बढ़े होने के बाद वह बाढ़ को भी सह सकता है। कुहरा, शीत वायु आदि चाय की उपज को बढ़ाती है।

मृदा → चाय की उपज में मृदा बहुत महत्त्वपूर्ण कारक है। चाय का रंग, महक, पत्तियों का आकार सब मृदा पर निर्भर करता है। नमी युक्त चीका दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। बलुई मिट्टी जो पोटाश जीवांश, फास्फोरस युक्त हो, चाय के लिए उपयुक्त है। चाय को किसी भी प्रकार की मृदा मे लगाया जा सकता है।

5. खाद → चाय का पौधा मृदा के खनिज तत्वो को जल्द अवशोषित कर मृदा की उर्वरता को कम कर देता है। अतः चाय की फसल के समय पोटाश, नाइट्रोजन, फास्फोरस से युक्त खाद को डालना चाहिए जिससे उत्पादकता मे वृद्धि हो।

6. सस्ते श्रमिक - चाय की फसल मे सस्ते श्रमिको का विशेष महत्व है। चाय के लिए अभी भी मशीनो का उतना नहीं प्रयोग किया जाता जितना मानव का। अतः रोपण, पत्ते चुनना, पत्ते सुखाने आदि कार्यो के लिए [illegible]मि[illegible] की आवश्यकता पड़ती है।

7. [illegible] भूमि - चाय को समतल व सीढ़ीनुमा दोनो प्रकार की भूमि मे उगाया जा सकता है।

उत्पादक राज्य

असम - देश का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है, पं बंगाल, अरुणाचल प्रदेश मिजोरम अन्य राज्य है।

— o — o — o — o —